Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 14-03-2007
Participants : Tripathi Shri Chandramani,Gulshan Smt. Paramjit Kaur,Gehlot Shri Thawar Chand,Bhargav Shri Girdhari Lal,Dangawas Shri Bhanwar Singh,Libra Shri Sukhdev Singh,Rawat Prof. Rasa Singh,Jatiya Dr. Satyanarayan,Koli Shri Ramswaroop,Sangwan Shri Kishan Singh,Argal Shri Ashok,Dhindsa Shri Sukhdev Singh,Bhagora Shri Mahaveer,Moghe Shri Krishna Murari,Ajnala Dr. Rattan Singh,Yadav Dr. Karan Singh,Singh Shri Ganesh,Singh Shri Rakesh,Chander Kumar Shri ,Virendra Kumar Shri ,Vijay Krishna Shri ,Preneet Kaur Smt. ,Bishnoi Shri Jaswant Singh,Shukla Smt. Karuna

>

Title: Need to provide financial assistance to farmers whose crops have been damaged due to natural calamities.

श्री चन्द्र मणि त्रिपाठी (रीवा) : अध्यक्ष महोदय, पूरे उत्तर भारत में विगत तीन दिनों से भयंकरतम ओला पत्थर पड़ रहा है। खास कर मध्य प्रदेश के रीवा जिले के अधिकांश भागों में पहले सूखे से फसल चौपट हो गई। इसी के साथ मध्य प्रदेश के सतना जिले में भी सूखे से फसल नट हो गई। शेा दो-तिहाई मध्य प्रदेश में बाढ़ से फसल नट हो गई। अभी दो महीने पहले पाला पड़ा...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This bad habit has to be given up.

… (*Interruptions*)

श्री चन्द्र मणि त्रिपाठी : जिसके कारण किसानों की सारी फसल नट हो गई और अब पूरे उत्तर भारत में भयंकरतम ओला पत्थर पड़ा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे ओले पत्थर शताब्दियों में कभी एकाध बार पड़ते हैं। इससे किसानों की कमर टूट गई है। इसके पहले जो ओला पड़ा था, भारत सरकार ने अभी तक उसका कोई विशेा पैकेज नहीं दिया है और न बाढ़ से हुई क्षति की पूर्ति के लिए केन्द्र सरकार ने कोई विशेा राहत नहीं दी है। प्रदेश सरकार ने अपने संसाधनों से बाढ़ से प्रभावित किसानों की क्षतिपूर्ति की। जन, धन और पशुओं की जो इस बार क्षति हुई है, उसके इस बार तो किसान जीने लायक भी नहीं बचा है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि तत्काल एक जांच दल भेजकर वहां सर्वे कराया जाए और किसानों को जो क्षति हुई है न केवल उसका मुआवजा दिलाया जाए, बल्कि विशेा पैकेज दिलाया जाए, ताकि किसान जी सकें और अपने पैरों पर खड़ा हो सकें।

MR. SPEAKER: Shri Mahavir Bhagora, Shri Bhanwar Singh Dangawas, Shri Girdhari Lal Bhargava, Shri Kishan Singh Sangwan, Prof. Rasa Singh Rawat, Shri Jaswasnt Singh Bishnoi, Prof. Chander Kumar, Shri Virendra Kumar, Shri Krishna Murari Moghe, Shrimati Karuna Shukla, Shri Vijoy Krishna, Shrimati Preneet Kaur, Dr. Rattan Singh Ajanala, Shrimati Paramjit Kaur Gulshan, Sardar Sukhdev Singh Libra - all are associating with this very important issue, very ably put by Shri Tripathi. All of you are associating with it.

… (*Interruptions*)

प्रो. रासा सिंह रावत : अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में भयंकर बारिश और ओला पड़ा है, जिसके कारण वहां के किसान बर्बाद हो गये हैं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: That is why I called him first. Because of its importance, I have called it first. I am sure the Government will look into it and take appropriate steps.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It seems that you do not want to carry on with the proceedings.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Those who want to associate with it, please send their names in writing.

… (*Interruptions*)

श्री सुखदेव सिंह ढींडसा (संगरूर) : सर, मुझे भी बोलने का मौका दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : ढींडसा साहब, आपको बुलायेंगे। एक साथ सबको नहीं बुला सकते। आप थोड़ा धीरज रखिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप स्लिप भेज दीजिए।

प्रो. रासा सिंह रावत : राजस्थान में ओलावृटि के कारण भयंकर बर्बादी हुई है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको बोला है, आप ले कर दीजिए। You can lay it on the Table.

श्री थावरचन्द गेहलोत (शाजापुर): अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के पूर्वी, पश्चिमी और मध्य क्षेत्र में तथा मध्य प्रदेश से लगे हुए राजस्थान प्रदेश में भारी ओलावृटि और वर्षा के कारण गेंहू, चना आदि की फसलों को भारी हानि हुई है। किसान बरबादी के कगार पर है। भारी नुकसानी से किसान अत्यधिक दुखी है।

मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि सरकार शीघ्र जांच दल भेजे और किसानों व संबंधितों को नुकसानी की क्षतिपूर्ति करने की व्यवस्था करे और राज्य सरकारों को भी आवश्यक सहायता प्रदान करे। मैं इस मामले को, जो चन्द्रमणि त्रिपाठी ने उठाया है, से सम्बन्ध करना चाहता हूं।

---

* The speech was laid on the Table.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, मैं डॉ0 करण सिंह यादव डिवीजन नं0 176 माननीय सदस्य श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा उठाये गये मुद्दे से संबद्ध करना चाहता हूं।

मेरे लोक सभा क्षेत्र अलवर में ओलावृटि से पुसल तबाह हो गई है।

केन्द्र सरकार किसानों के नुकसान का शीघ्र आंकलन करवाए व किसानों को मुआवजा दिया जाये।

डॉ. सत्यनारायण जटिया (उज्जैन): अध्यक्ष महोदय, मैं सम्बद्ध करता हूं कि ओलावृटि से प्रभावित किसानों को केन्द्र सरकार तत्काल राहत सहायता प्रदान करे।

मध्य प्रदेश में ओलावृटि से कृाि उपजों को भारी क्षति हुई है। समस्या की गंभीरता को देखते हुए राहत के लिए केन्द्र सरकार सभी आवश्यक उपाय किये जायें।

श्री रामस्वरूप कोली (बयाना) : अध्यक्ष महोदय, मुख्य रूप से भरतपुर-धौलपुर-दौसा-करौली तीन दिन से राजस्थान में हो रही ओलावृटि से किसानों की खेती चौपट हो गयी है। भारत सरकार से आपके माध्यम से निवेदन है कि राज्य सरकार से रिपोर्ट मंगवा कर राजस्थान के किसानों के कर्ज माफ कर सहायता प्रदान करने के आदेश प्रदान करें।

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : अध्यक्ष महोदय, बेमौसम की बरसात और ओलावृटि से राजस्थान में फसलों को भारी नुकसान केन्द्र द्वारा अविलम्ब विशेा पैकेज की घोाणा की जाये। राजस्थान के 17 जिलों अलवर, चुरू, झन्झुनूँ, जयपूर, नागौर, दौसा, सवाई, माधोपुर, भरतपुर, सीकर, बीकानेर, अजमेर, हनुमानगढ, करौली, जालौर,, धौलपुर, पाली, सिरोही के हजारों गावों में विगत दिनों लगातार हो रही बेमौसम की बरसात, तेज आँधी, तूफान, ओलावृटि आदि के कारण सरसों,चणा, जौ इसबगोल, गेंहूँ आदि फसलों को भारी नुकसान हुआ है। कई जिलों में तो सारी फसलें ही बरबाद हो गई हैं। सम्पत्तियों एवं पशुधन को भी नुकसान पहुँचा है।

राज्य सरकार अपने सीमित साधनों से किसानों को यथा मदद देने के कदम उठा रही है परन्तु नुकसान इतना अधिक है कि इसमें केन्द्र सरकार को आगे आकर अविलम्ब सहायता करनी होगी।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान के किसानों को इस संकट से उबारने के लिये ओलावृटि राहत पैकेज़ के लिये/आपदा राहत के लिये 500 करोड़ रूपये का पैकेज़ अविलम्ब घोाति किया जाय।

---

* The speech was laid on the Table.

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, विगत तीन दिनों से देश के विभिन्न राज्यों में भयंकर ओलावृटि हुई है, जिससे किसानों की फसल पूरी तरह से नट हो गयी है। अब तक 50 लोग मारे गये हैं। अकेले मध्य प्रदेश में 16 लोग मारे गये। आपदा से देश के जम्मू काश्मीर, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, गुजरात आदि राज्य प्रभावित हुए हैं।

मेरे मध्य प्रदेश में पूर्व में 31 जिलों में ओलावृटि से 2 लाख हैक्टेयर भूमि की फसल नट हो चुकी है, कल परसों से मेरे लोक सभा क्षेत्र सतना कटनी में लगभग 500 ग्रामों में भंयकर ओलावृटि हुई है और अभी भी ओलावृटि चालू है। मेरी केन्द्र सरकार से अध्ययन दल भेजे जाने की मांग है। साथ ही लगातार पीडित किसानों की सहायता के लिए विशेा पैकेज दिया जाये और साथ ही किसानों के ऋण माफ किये जायें।

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : अध्यक्ष महोदय, भारी वार्ा व ओलावृटि से उत्तर भारत में विशेा तौर पर हरियाणा में भारी नुकसान हुआ है। किसानों की सारी फसलें बरबाद हो गयी है। प्रांत के सभी 20 जिलों में भारी नुकसान हुआ है। सब्जी, सरसों, गेहूं इत्यादि फसलें बरबाद हुई हैं। किसानों को 15/20 हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दिलाया जाये व हरियाणा को विशेा आर्थिक पैकेज दिया जाये ताकि किसानों को +ÉÉiàÉnÉc BÉE®xÉä ºÉä ®ÉäBÉEÉ VÉÉªÉä*

श्री अशोक अर्गल (मुरैना) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के ग्वालियर, चम्बल संभाग में भारी ओलावृटि हुई है। उक्त बेमौसम बारिश, ओलावृटि से किसानों को भारी क्षति हुई है। मैं चाहता हूं कि केन्द्र एक सर्वे दल भेज कर जांच कराये एवं केन्द्र सरकार किसानों को राहत हेतु पैकेज देवे।

श्री भँवर सिंह डांगावास (नागौर) : अध्यक्ष महोदय, निवेदन है कि मैंने प्रातः उपरोक्त विाय पर नोटिस दिया था, उसके संदर्भ में सूचना देता हूं कि राजस्थान की फसलें, पहले बरसात व अंधड़ से जीरा, इसबगोल व सरसों खत्म हुई थी। फिर गेहूं व जौ की फसल बची थी, वह पुनः वार्ा व ओले गिरने से तबाह हो गई है।

मेरा आग्रह है कि केन्द्र सरकार को मुआवजा ही नहीं, समुचित आर्थिक पैकेज दिया जाये ताकि किसान अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में बड़े हिस्से विगत दिवस भीाण ओलावृटि हुइ है। मेरे संसदीय क्षेत्र जबलपुर, कटनी में भी पनागर, सिहोरा, बहोरीबंद, मुड़वारा (कटनी) आदि विधान

---

* Laid on the Table.

सभाओं सहित जबलपुर के अनेक स्थानों में सैंकड़ों गांवों में भीाण ओलावृटि हुई है। तैयार खड़ी फसलें नट हो चुकी हैं। किसान बरबादी की स्थिति में पहुंच चुका है उसे तत्काल राहत की आवश्यकता है। मेरी मांग है कि केन्द्र सरकार इस ओलावृटि से राहत हेतु फौरन एकमुश्त पर्याप्त राशि की घोाणा करें।

आपके निर्देशानुसार इस विाय पर माननीय सांसद चन्द्रमणी त्रिपाठी जी के साथ संबद्ध करने हेतु अनुमति प्रदान करें।

SHRI SUKHDEV SINGH DHINDSA (SANGRUR): Hon'ble Sir, Tremendous damage to the crops in Punjab and other parts of the country have been caused due to hailstorm. It is a matter of great concern that thousands of acres of crop have been completely destroyed and farmers of Punjab together with other parts of the country shall have no other means of survival this season due to this.

We the following Members of Parliament draw the attention of the Government of India to provide adequate compensation to the farmers so that at least relief adequate relief could reach them.

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing, except those hon. Members who have been called, will go on record.

*(Interruptions) …***

श्री गणेश सिंह : सर, मेरा नाम भी एसोसिएट कर लिया जाए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप नाम भेज दीजिए, हमने बोला है।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: There are a number of matters to be raised. All though this matter was lower down in the list, because of its importance I called him first. I have not interrupted him. He has had his say. I have taken the names of all other hon. Members who want to associate with him and I have further made a comment saying that I am sure the Government will look into it. Therefore, those who want

* The speech was laid on the Table.

** Not recorded

to associate with it, please give their names in writing. Everything will be recorded. I deeply appreciate that the Members have taken up this important issue.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please allow me to give chance to the Members from every side. Thank you for your kind cooperation, Rasa Singh ji.